RNI No#MPBIL/2013/49052

INVESTMENT AVENUES®

इन्वेस्टमेंट ऐवेन्यूस

भोपाल, शनिवार 27 जून से 3 जुलाई 2026 भोपाल , मध्यप्रदेश से प्रकाशित वर्ष- 14 अंक-98 पृष्ठ- 8 मूल्य- रु. 5 /-

इंदौर-उज्जैन ग्रीन कॉरिडोर का शिलान्यास: ₹2,935 करोड़ की परियोजना से पर्यावरण और विकास को नई उड़ान

ग्रीन इंफ्रा और पर्यटन क्षेत्र में नया बूस्ट, सस्टेनेबल डेवलपमेंट को मिलेगा बल

इंदौर: मध्य प्रदेश सरकार ने इंदौर और उज्जैन के बीच ₹2,935 करोड़ रुपये की लागत वाले ग्रीन कॉरिडोर का शिलान्यास कर दिया है। यह परियोजना दोनों शहरों को पर्यावरण-अनुकूल आधुनिक हाईवे से जोड़ेगी और क्षेत्रीय विकास को नई गति प्रदान करेगी।

ग्रीन कॉरिडोर में इको-फ्रेंडली डिजाइन, वाइड रोड, साइकिल ट्रैक, वॉकवे, ग्रीन बेल्ट, वनरोपण और सोलर पावर्ड स्ट्रीट लाइटिंग जैसी सुविधाएं शामिल होंगी। परियोजना से इंदौर-उज्जैन के बीच यात्रा समय काफी कम होगा, प्रदूषण में कमी आएगी और पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। उज्जैन के धार्मिक केंद्र होने और इंदौर के औद्योगिक महत्त्व को देखते हुए यह कॉरिडोर आर्थिक गतिविधियों को भी मजबूत करेगा।

यह ग्रीन कॉरिडोर परियोजना मध्य प्रदेश में सस्टेनेबल इंफ्रास्ट्रक्चर विकास का उज्ज्वल उदाहरण है। निर्माण, सीमेंट, स्टील, सोलर और लॉजिस्टिक्स से जुड़ी कंपनियों को नए ऑर्डर मिलने की संभावना है। लंबी अवधि के निवेशक ग्रीन इंफ्रा, पर्यटन और पर्यावरण-अनुकूल प्रोजेक्ट्स पर फोकस कर सकते हैं।

सरकार की इस पहल से राज्य में निवेश का माहौल और आकर्षक बनेगा। निवेशक प्रोजेक्ट की प्रगति, समयबद्ध पूरा होने और इससे जुड़े सेक्टरों पर नजर रखें। इंदौर-उज्जैन ग्रीन कॉरिडोर मध्य प्रदेश को सस्टेनेबल विकास का नया मॉडल प्रदान करेगा और आर्थिक समृद्धि बढ़ाएगा।

अमेज़न CEO एंडी जासी ने पीएम मोदी से की मुलाकात: AI और क्लाउड इंफ्रा पर $48 बिलियन का बड़ा निवेश

भारत में AI और क्लाउड कंप्यूटिंग को मिलेगा जबरदस्त बूस्ट, डिजिटल इकोनॉमी की रफ्तार तेज होगी

नई दिल्ली: अमेज़न के CEO एंडी जासी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की और भारत में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तथा क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर विस्तार के लिए 48 बिलियन डॉलर (लगभग ₹4 लाख करोड़) के विशाल निवेश की घोषणा की।

यह निवेश अगले कुछ वर्षों में भारत में नए डेटा सेंटर, AI ट्रेनिंग इंफ्रास्ट्रक्चर और क्लाउड सेवाओं के विस्तार पर खर्च किया जाएगा। अमेज़न का यह कदम भारत को ग्लोबल AI हब बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

मुलाकात के दौरान पीएम मोदी ने डिजिटल इंडिया, स्टार्टअप इकोसिस्टम और डेटा लोकलाइजेशन पर चर्चा की। जासी ने कहा कि भारत की युवा प्रतिभा, बढ़ती डिजिटल अर्थव्यवस्था और सरकारी समर्थन को देखते हुए अमेज़न यहां भारी निवेश कर रहा है। इस निवेश से लाखों नौकरियां पैदा होंगी और भारतीय कंपनियों, स्टार्टअप्स तथा MSMEs को विश्व स्तरीय क्लाउड और AI टूल्स सस्ते दामों पर उपलब्ध होंगे।

अमेज़न का यह मेगा निवेश भारतीय टेक, डेटा सेंटर, क्लाउड कंप्यूटिंग और AI सेक्टर के लिए बेहद सकारात्मक है। टाटा, रिलायंस, इंफोसिस जैसी कंपनियों को भी अप्रत्यक्ष रूप से फायदा पहुंचेगा।

लंबी अवधि के निवेशक डिजिटल इंफ्रा, क्लाउड, AI और संबंधित टेक कंपनियों पर नजर रखें। भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ रही है और अमेज़न जैसी ग्लोबल कंपनियों का भरोसा इस क्षेत्र की संभावनाओं को और मजबूत करता है। निवेशक इस निवेश की प्रगति और इससे जुड़े नए प्रोजेक्ट्स पर लगातार नजर रखें।

RBI Move Revives Foreign Appetite for G-Secs; FAR Inflows Hit ₹35,335 Crore

Strong Foreign Inflows Signal Renewed Confidence: Regulatory Clarity and Attractive Yields Boost Global Interest in Indian Debt

New Delhi: : Foreign investors have returned in strength to the Indian government securities (G-Secs) market after the Reserve Bank of India's recent policy measures. Inflows through the Fully Accessible Route (FAR) have surged to ₹35,335 crore, marking one of the highest monthly figures in recent times.

The RBI's efforts to simplify investment norms, enhance transparency, and improve ease of access for overseas investors have played a key role in reviving appetite. Global funds are also attracted by relatively high real yields on Indian bonds compared to developed markets, along with India's improving macroeconomic stability and controlled inflation trajectory.Analysts believe this resurgence reflects growing confidence in India's fiscal discipline and monetary policy framework. The increased foreign participation is expected to help moderate domestic borrowing costs and support the government's large market borrowing programme.

The sharp rise in foreign inflows into G-Secs is a positive development for the Indian debt market. It signals improving global sentiment and could lead to greater stability and liquidity in the bond segment.

Long-term investors may consider increasing allocation to high-quality government securities or debt funds, especially in a diversified portfolio.

Overall, the RBI's proactive steps have strengthened India's position as an attractive destination for foreign fixed-income capital.

बॉन्ड्स: परिवार की सुरक्षा का मजबूत बंधन – ओबीपीपी एसोसिएशन का व्यापक जागरूकता अभियान

निवेशकों के लिए संदेश: स्थिर आय, पूंजी सुरक्षा और परिवार की वित्तीय सुरक्षा का विश्वसनीय माध्यम

मुंबई: ओबीपीपी (ओवर द काउंटर बॉन्ड प्लेटफॉर्म प्रोवाइडर्स) एसोसिएशन ने "बॉन्ड्स: परिवार की सुरक्षा का मजबूत बंधन" शीर्षक से एक बड़ा राष्ट्रव्यापी अभियान शुरू किया है। इस अभियान का उद्देश्य आम निवेशकों, खासकर मध्यम वर्ग के परिवारों को बॉन्ड निवेश के लाभों के बारे में जागरूक करना और उन्हें शेयर बाजार की अस्थिरता से दूर स्थिर एवं सुरक्षित निवेश विकल्प प्रदान करना है।

अभियान के तहत देशभर में वर्कशॉप, वेबिनार, डिजिटल कैंपेन और सेमिनार आयोजित किए जा रहे हैं। एसोसिएशन निवेशकों को सरकारी बॉन्ड्स, कॉर्पोरेट बॉन्ड्स, स्टेट डेवलपमेंट लोन (SDL) और अन्य डेब्ट सिक्योरिटीज के बारे में विस्तार से जानकारी दे रही है। इनमें नियमित ब्याज आय, पूंजी की सुरक्षा और अपेक्षाकृत कम जोखिम मुख्य आकर्षण हैं।यह अभियान उन परिवारों के लिए विशेष रूप से उपयोगी है जो रिटायरमेंट प्लानिंग, बच्चों की शिक्षा या भविष्य की सुरक्षा के लिए स्थिर आय चाहते हैं। बॉन्ड्स शेयर बाजार की तुलना में कम अस्थिर होते हैं और नियमित ब्याज प्रदान करते हैं।

लंबी अवधि के निवेशक अपने पोर्टफोलियो में 30-40% हिस्सा बॉन्ड्स या डेब्ट उत्पादों में रखकर जोखिम को संतुलित कर सकते हैं। ओबीपीपी एसोसिएशन का यह अभियान बॉन्ड मार्केट को रिटेल निवेशकों के लिए अधिक सुलभ और पारदर्शी बनाने की दिशा में एक सराहनीय प्रयास है।

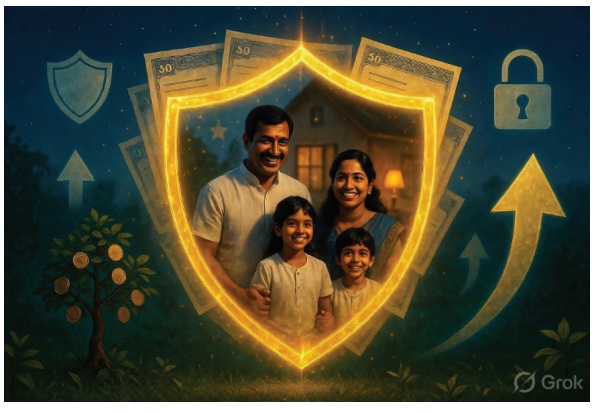

विश्व बैंक ने भारत को 1.5 अरब डॉलर का लोन मंजूर: सुधार और रोजगार सृजन को मिलेगा बल

आर्थिक सुधारों को नई गति, इंफ्रा और एमएसएमई सेक्टर में बड़े अवसर

नई दिल्ली: विश्व बैंक ने भारत सरकार को 1.5 अरब डॉलर (लगभग ₹12,600 करोड़) का लोन मंजूर किया है। यह फंडिंग आर्थिक सुधारों को तेज करने, रोजगार सृजन बढ़ाने और सामाजिक-आर्थिक विकास को मजबूत करने के लिए दी गई है।

इस लोन का उपयोग मुख्य रूप से इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं, कौशल विकास कार्यक्रमों, एमएसएमई सेक्टर के विस्तार, हरित ऊर्जा और डिजिटल अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने में किया जाएगा। विश्व बैंक ने भारत की आर्थिक प्रगति, वित्तीय अनुशासन और सुधारों की दिशा की सराहना की है। यह फंडिंग भारत को और अधिक आत्मनिर्भर और प्रतिस्पर्धी बनाने में सहायक साबित होगी।

यह लोन मंजूरी भारतीय अर्थव्यवस्था और निवेश माहौल के लिए सकारात्मक खबर है। इंफ्रा, एमएसएमई, रिन्यूएबल एनर्जी और कौशल विकास से जुड़े सेक्टर को विशेष फायदा पहुंचेगा। लंबी अवधि के निवेशक निर्माण, लॉजिस्टिक्स, पावर, एजुकेशन और फिनटेक क्षेत्र की कंपनियों पर नजर रखें।

सरकारी सुधारों और विश्व बैंक जैसे संस्थानों के निरंतर समर्थन से भारत की विकास गति मजबूत बनी रहेगी। निवेशक इस फंडिंग से होने वाले प्रोजेक्ट्स, नीतिगत प्रभाव और संबंधित कंपनियों के प्रदर्शन पर ध्यान दें। यह कदम भारत को वैश्विक निवेशकों के लिए और अधिक आकर्षक गंतव्य बनाएगा।

ट्रांसको 7,668 करोड़ रुपये लगाएगा ट्रांसमिशन नेटवर्क को मजबूत करने में

पावर ट्रांसमिशन सेक्टर में भारी निवेश, हरित ऊर्जा इंटीग्रेशन और औद्योगिक विकास को नई गति

भोपाल: मध्य प्रदेश ट्रांसको (Transco) ने राज्य के पावर ट्रांसमिशन नेटवर्क को और मजबूत करने के लिए ₹7,668 करोड़ रुपये के बड़े निवेश की घोषणा की है। यह परियोजना राज्य की बढ़ती बिजली मांग को पूरा करने, नवीकरणीय ऊर्जा को मुख्य ग्रिड से जोड़ने और बिजली आपूर्ति की विश्वसनीयता बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण कदम है।

इस निवेश के तहत नए हाई वोल्टेज ट्रांसमिशन लाइनें, आधुनिक सबस्टेशन, स्मार्ट ग्रिड सिस्टम और ऑटोमेशन सुविधाएं विकसित की जाएंगी। खासकर सोलर और विंड पावर पार्क्स से उत्पन्न बिजली को दूर-दराज के औद्योगिक क्षेत्रों और शहरों तक पहुंचाने में यह नेटवर्क अहम भूमिका निभाएगा। मध्य प्रदेश में सोलर एनर्जी की भारी संभावनाओं को देखते हुए यह निवेश समय पर और आवश्यक है।

परियोजना से न केवल बिजली हानि (Transmission Losses) में कमी आएगी बल्कि औद्योगिक क्षेत्रों में बेहतर बिजली उपलब्धता सुनिश्चित होगी। इससे नए उद्योग आकर्षित होंगे, रोजगार सृजन होगा और राज्य की औद्योगिक विकास दर बढ़ेगी।

यह घोषणा पावर ट्रांसमिशन, इंफ्रास्ट्रक्चर और रिन्यूएबल एनर्जी सेक्टर के लिए बेहद सकारात्मक है। लिस्टेड कंपनियां जैसे पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन, केईसी इंटरनेशनल, ट्रांसमिशन लाइन कंपनियां, सीमेंट, स्टील और इलेक्ट्रिकल इक्विपमेंट निर्माताओं को बड़े ऑर्डर मिलने की संभावना है।

मध्य प्रदेश सरकार के आक्रामक सोलर और इंफ्रा विकास कार्यक्रम को देखते हुए ट्रांसमिशन नेटवर्क का विस्तार बहुत जरूरी था। लंबी अवधि के निवेशक पावर, इंफ्रा और ग्रीन एनर्जी थीम पर फोकस कर सकते हैं।

सरकारी फोकस और बढ़ते पूंजीगत व्यय से इस सेक्टर में स्थिर और आकर्षक ग्रोथ की उम्मीद है। निवेशक प्रोजेक्ट की समयसीमा, एक्जीक्यूशन प्रोग्रेस और संबंधित कंपनियों के ऑर्डर बुक पर लगातार नजर रखें।

कुल मिलाकर, ट्रांसको का यह बड़ा निवेश मध्य प्रदेश को पावर सेक्टर में आत्मनिर्भर बनाने और औद्योगिक विकास को नई ऊंचाइयों पर ले जाने में मील का पत्थर साबित होगा।

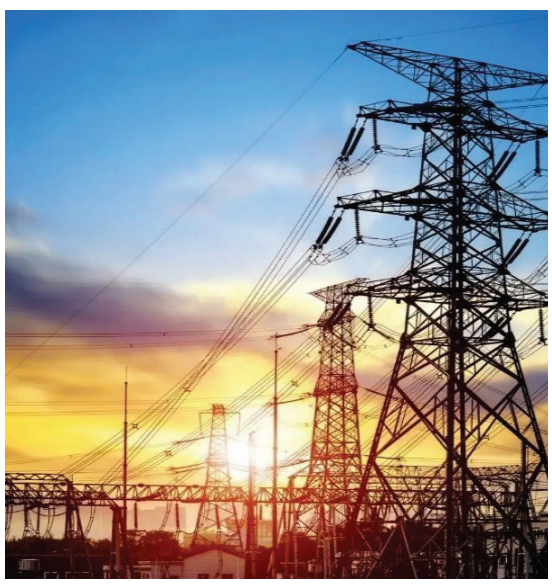

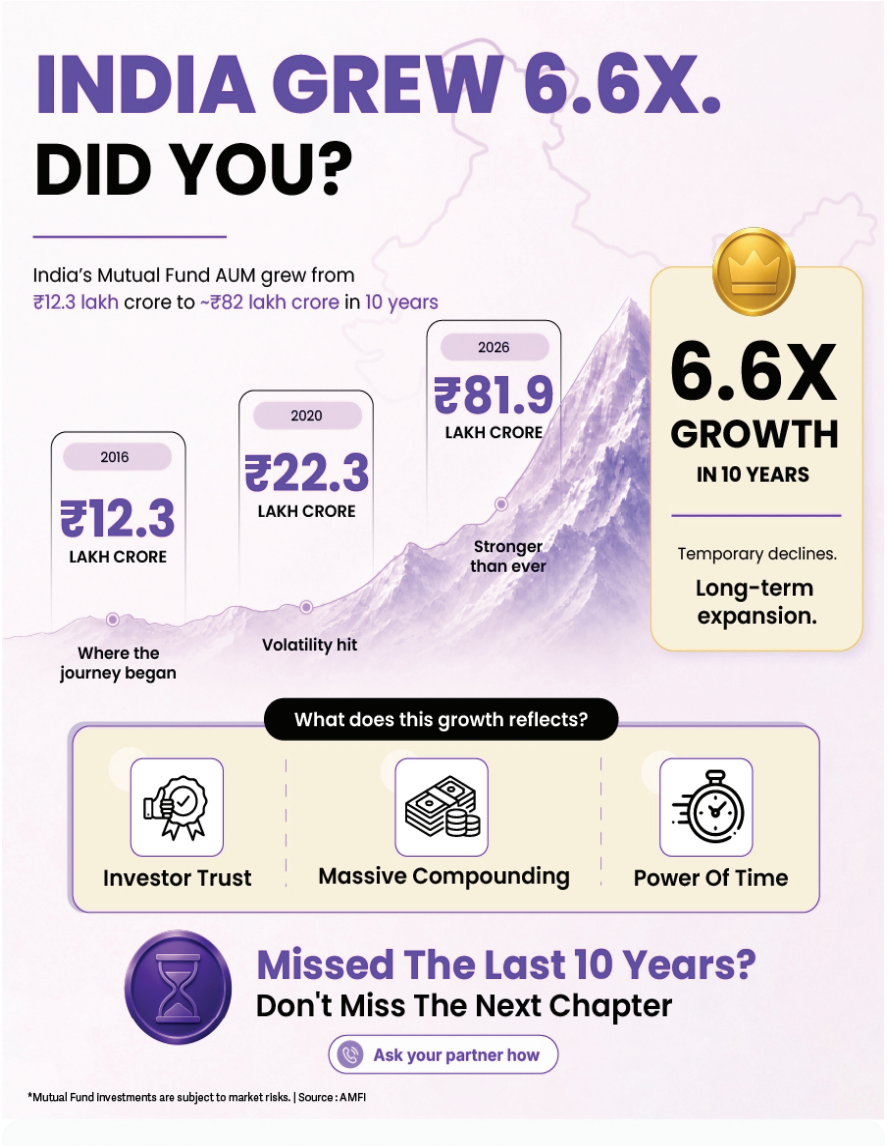

Vision Invest Tech Private Limited
ARN: 10613 | AMFI Registered Mutual Fund Distributor
(+91)7389912025 visionadvisorymkt@gmail.com

Vision Invest Tech Private Limited
ARN: 10613 | AMFI Registered Mutual Fund Distributor
(+91)7389912025 visionadvisorymkt@gmail.com

Aastha Spintex IPO Alert: Textile Company to Hit D-Street with ₹170 Crore Fresh Issue

Strong Textile Play: Investors Eye Growth in Cotton Yarn Manufacturing Amid Rising Domestic and Export Demand

Mumbai: Aastha Spintex Ltd, a Gujarat-based cotton yarn manufacturer, is set to make its debut on the stock exchanges with a fresh IPO of ₹170 crore. The company is engaged in the integrated ginning and spinning of cotton yarn, catering to domestic textile and fabric industries as well as export markets.

According to the draft offer document, the entire issue is a fresh issue of equity shares with no offer-for-sale component. The IPO is scheduled to open on 29 June 2026 and close on 1 July 2026. The company plans to utilise the proceeds for capacity expansion, working capital requirements, debt reduction, and general corporate purposes. The price band and exact lot size will be announced closer to the issue date.

Aastha Spintex operates in a highly fragmented but growing segment of the textile value chain. The company benefits from proximity to cotton-growing regions in Gujarat, which helps control raw material costs and ensures better quality consistency. Rising demand for sustainable and high-quality cotton yarn, both domestically and from international buyers, positions the company for steady growth.

The Aastha Spintex IPO comes at a time when the Indian textile sector is witnessing renewed interest due to government initiatives like PLI schemes and shifting global supply chains. Investors may find the issue attractive for long-term exposure to the textile manufacturing theme, especially if the valuation remains reasonable.

However, investors should carefully evaluate the company's financial performance, raw material price volatility, and competition in the spinning industry. The success of the IPO will also depend on overall market sentiment during the issue week. Those with a high-risk appetite and a positive view on the textile sector may consider participating, keeping allocation limited to 5-8% of their portfolio. Long-term investors should focus on post-listing performance, capacity utilisation, and margin trends before building significant positions.

Adani Group Announces Massive ₹1.53 Lakh Crore Investment; Targets 10 GW Nuclear Power Capacity by 2035

Historic Nuclear Push: Adani's Mega Bet to Strengthen India's Clean Energy Backbone and Energy Security

Mumbai: In a landmark development, the Adani Group has announced a massive investment of ₹1.53 lakh crore to develop up to 10 gigawatts (GW) of nuclear power capacity by 2035. This represents one of the largest private sector commitments in India's nuclear energy sector and underscores the group's ambition to play a pivotal role in the country's energy transition.

The investment will be rolled out in phases and will focus on setting up large-scale nuclear power plants using advanced, safe, and proven technology. The move aligns with the Government of India's target of achieving 100 GW of nuclear power by 2047. Nuclear energy is considered critical for providing reliable baseload power to support industrial growth, data centres, electric mobility, and overall economic development whilereducing dependence on fossil fuels.

Adani Group Chairman Gautam Adani emphasised that nuclear power is essential for meeting India's growing electricity demand in a sustainable manner. The group plans to collaborate with leading global technology providers and strictly follow all safety protocols and regulatory guidelines prescribed by Indian authorities.

This announcement is highly positive for the Adani Group. Nuclear projects typically offer long-duration power purchase agreements and regulated returns, providing visibility and stability to future cash flows. The plan significantly strengthens Adani's clean energy portfolio and positions the group as a major player in India's energy security story.

This development adds substantial long-term growth potential. While nuclear projects have long gestation periods and high capital intensity, successful execution could meaningfully
enhance the group's valuation over the next decade. Investors should monitor progress on regulatory clearances, technology partnerships, and project milestones.

Overall, Adani's ambitious nuclear foray reinforces India's commitment to a balanced energy mix of renewables and baseload nuclear power, offering long-term investors a compelling opportunity in the country's clean energy transformation.

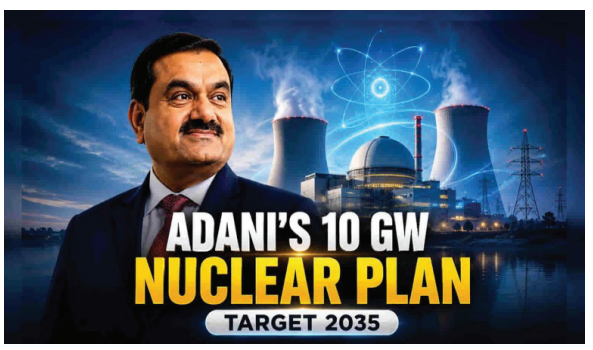

Raymond in Talks to Acquire German Aerospace Firm Deharde to Enter Precision Engineering

Strategic Shift Towards High-Tech Manufacturing: Raymond Aims to Build Global Aerospace Presence

Udaipur: Raymond Ltd is in advanced discussions to acquire German aerospace supplier Deharde, marking its entry into the high-precision engineering and aerospace components sector. The move represents a major diversification strategy for the diversified Indian conglomerate, which has traditionally been known for its textiles and apparel business.

Deharde specialises in complex precision-engineered metal components and structural parts for the global aerospace industry. The acquisition, if completed, would give Raymond access to advanced manufacturing technology, international clients, and established expertise in high-tolerance aerospace parts.

This potential deal aligns with India's growing focus on aerospace and defence manufacturing under the 'Make in India' initiatives. Raymond aims to leverage Deharde's capabilities to build a strong presence in the fast-expanding global aerospace supply chain.

The proposed acquisition is being seen positively by the market as it signals Raymond's ambition to move up the value chain into technology-intensive sectors. Successful integration could improve the company's overall margins and open new high-growth revenue streams.

Long-term investors may view this development as an important step in Raymond's transformation journey.

However, they should monitor deal valuation, integration risks, and execution capabilities. The move also reflects a broader trend of Indian companies acquiring overseas technology assets to strengthen domestic manufacturing prowess.

अडाणी ग्रुप का ₹1 लाख करोड़ का एविएशन निवेश प्लान: मुंद्रा एयरपोर्ट का उद्घाटन, उड़ान भरेगा विकास

एविएशन इंफ्रा में भारी निवेश, लॉजिस्टिक्स, पर्यटन और कनेक्टिविटी को नई गति

अहमदाबाद: अडाणी ग्रुप ने एविएशन क्षेत्र में ₹1 लाख करोड़ रुपये के विशाल निवेश प्लान की घोषणा की है। इसी दौरान गुजरात के मुंद्रा एयरपोर्ट को औपचारिक रूप से परिचालन के लिए शुरू कर दिया गया है।

यह निवेश प्लान देशभर में एयरपोर्ट्स के विस्तार, नए टर्मिनल निर्माण, कार्गो हब, मेंटेनेंस रिपेयर एंड ओवरहॉल (MRO) सुविधाओं और एविएशन से जुड़ी आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं पर केंद्रित रहेगा। मुंद्रा एयरपोर्ट का शुरू होना गुजरात के पश्चिमी क्षेत्र की कनेक्टिविटी को मजबूत करेगा और इंडस्ट्रियल कार्गो, निर्यात-आयात को बड़ा बढ़ावा देगा।

अडाणी ग्रुप पहले से ही अहमदाबाद, मुंबई, लखनऊ, जयपुर, गुवाहाटी सहित कई प्रमुख एयरपोर्ट्स का सफलतापूर्वक संचालन कर रहा है। नया प्लान भारत को विश्व स्तरीय एविएशन हब बनाने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है।

अडाणी ग्रुप का यह ऐतिहासिक निवेश एविएशन, लॉजिस्टिक्स, पर्यटन और इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर के लिए बेहद सकारात्मक है। बढ़ते एयर ट्रैफिक, कार्गो वॉल्यूम और सरकारी नीतियों के समर्थन से इस क्षेत्र में मजबूत ग्रोथ की उम्मीद है।

निवेशक अडाणी एंटरप्राइजेज और समूह की अन्य कंपनियों पर नजर रखें। लंबी अवधि में एविएशन इंफ्रा थीम अच्छे रिटर्न दे सकती है। हालांकि, परियोजना निष्पादन, नियामकीय मंजूरी और ट्रैफिक वृद्धि पर सतर्क नजर रखनी होगी।

टाटा म्यूचुअल फंड ने लॉन्च किया मल्टी-सेक्टर पैसिव FoF: विविधता के साथ लंबी अवधि का निवेश आसान

निवेशकों के लिए स्मार्ट विकल्प: एक फंड के जरिए कई सेक्टर्स में पैसिव एक्सपोजर, कम खर्च और डाइवर्सिफिकेशन का मजबूत संयोजन

मुंबई: टाटा म्यूचुअल फंड ने अपना नया 'टाटा मल्टी-सेक्टर पैसिव फंड ऑफ फंड्स' (FoF) लॉन्च किया है। यह फंड निवेशकों को एक ही प्लेटफॉर्म से कई अलग-अलग सेक्टर्स में पैसिव तरीके से निवेश का अवसर प्रदान करेगा।

यह फंड ऑफ फंड्स विभिन्न सेक्टोरल और थीमैटिक इंडेक्स फंड्स या ETFs में निवेश करेगा। इससे निवेशकों को टेक्नोलॉजी, बैंकिंग, फार्मा, ऑटो, इंफ्रा, FMCG, एनर्जी और अन्य उभरते सेक्टर्स में स्वचालित डाइवर्सिफिकेशन मिलेगा। पैसिव स्ट्रेटजी होने के कारण फंड का खर्च अनुपात काफी कम होगा, जो लंबी अवधि में रिटर्न को बढ़ाने में मदद करेगा।

टाटा मल्टी-सेक्टर पैसिव FoF उन निवेशकों के लिए आदर्श है जो अलग-अलग सेक्टर्स में हाथ आजमाना चाहते हैं लेकिन खुद सेक्टर चुनने या पोर्टफोलियो मैनेज करने का समय नहीं रखते। यह फंड बाजार के उतार-चढ़ाव में भी संतुलन बनाए रखने में मदद करेगा।

NFO के दौरान निवेश करने वाले निवेशक कम नेट एसेट वैल्यू पर यूनिट्स हासिल कर सकेंगे। लंबी अवधि (7 वर्ष या उससे अधिक) के निवेशकों के लिए यह फंड अच्छा विकल्प साबित हो सकता है, क्योंकि भारत की अर्थव्यवस्था में कई सेक्टर्स एक साथ विकास कर रहे हैं। हालांकि, फंड की सफलता सेक्टरों के प्रदर्शन पर निर्भर करेगी।

निवेशकों को सलाह दी जाती है कि वे अपनी जोखिम क्षमता, निवेश क्षितिज और समग्र पोर्टफोलियो के आधार पर इस फंड में आवंटन करें। टाटा म्यूचुअल फंड की मजबूत ट्रैक रिकॉर्ड और ट्रांसपेरेंसी को देखते हुए यह नया उत्पाद निवेशकों को सरल और प्रभावी तरीके से सेक्टरल ग्रोथ में भाग लेने का मौका देगा।

यह लॉन्च भारतीय म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री में पैसिव और थीमैटिक निवेश के बढ़ते ट्रेंड को और मजबूत करेगा। निवेशक NFO विवरण, एक्सपेंस रेशियो और अंडरलाइंग फंड्स की परफॉर्मेंस को अच्छी तरह समझकर निवेश का फैसला लें।

आयोनिक एसेट ने लॉन्च किया ग्लोबल एसेट एलोकेशन फंड: वैश्विक विविधीकरण का नया और स्मार्ट विकल्प

निवेशकों के लिए महत्वपूर्ण अवसर: एक फंड के जरिए दुनिया भर के बाजारों में निवेश, जोखिम संतुलन और लंबी अवधि के बेहतर रिटर्न की संभावना

अहमदाबाद: आयोनिक एसेट मैनेजमेंट ने अपना नया 'ग्लोबल एसेट एलोकेशन फंड' लॉन्च कर दिया है। यह फंड निवेशकों को भारतीय बाजार के साथ-साथ अमेरिका, यूरोप, एशिया और उभरते बाजारों में विविधतापूर्ण निवेश का मौका देगा।

फंड मल्टी-एसेट क्लास स्ट्रेटेजी पर आधारित होगा, जिसमें इक्विटी, डेब्ट, गोल्ड, REITs और अन्य वैश्विक परिसंपत्तियां शामिल होंगी। फंड मैनेजर बाजार की स्थिति, वैश्विक आर्थिक संकेतों और जोखिम मूल्यांकन के आधार पर एसेट एलोकेशन को डायनामिक रूप से बदलेंगे। इसका मुख्य लक्ष्य लंबी अवधि में स्थिर और जोखिम-समायोजित रिटर्न प्रदान करना है।

भारतीय निवेशकों के लिए यह फंड विशेष रूप से उपयोगी साबित होगा क्योंकि यह मुद्रा विविधीकरण, वैश्विक ग्रोथ स्टोरी और घरेलू बाजार की अस्थिरता से सुरक्षा दोनों प्रदान करेगा।

ग्लोबल एसेट एलोकेशन फंड उन निवेशकों के लिए आदर्श है जो अपने पोर्टफोलियो को केवल भारतीय बाजार तक सीमित नहीं रखना चाहते। वैश्विक अनिश्चितता, मुद्रास्फीति और भू-राजनीतिक जोखिमों के समय ऐसे फंड्स पोर्टफोलियो को संतुलित रखने में मदद करते हैं।

निवेशक अपनी जोखिम क्षमता, निवेश क्षितिज और समग्र पोर्टफोलियो संरचना को ध्यान में रखकर इस फंड में आवंटन करें। लंबी अवधि (5-7 वर्ष या अधिक) के निवेशकों के लिए यह फंड अच्छा विकल्प हो सकता है। हालांकि, मुद्रा जोखिम, वैश्विक घटनाओं और फंड मैनेजमेंट खर्च पर ध्यान देना जरूरी है।

आयोनिक एसेट का यह नया फंड भारतीय म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री में ग्लोबल डाइवर्सिफिकेशन की बढ़ती मांग को पूरा करेगा। निवेशक NFO विवरण, एसेट एलोकेशन स्ट्रेटेजी और फंड मैनेजर की ट्रैक रिकॉर्ड को अच्छी तरह समझकर निवेश का फैसला लें।

यह फंड भारतीय निवेशकों को दुनिया भर की आर्थिक विकास कहानी में हिस्सेदारी लेने का आसान, सुविधाजनक और प्रभावी माध्यम प्रदान करेगा।

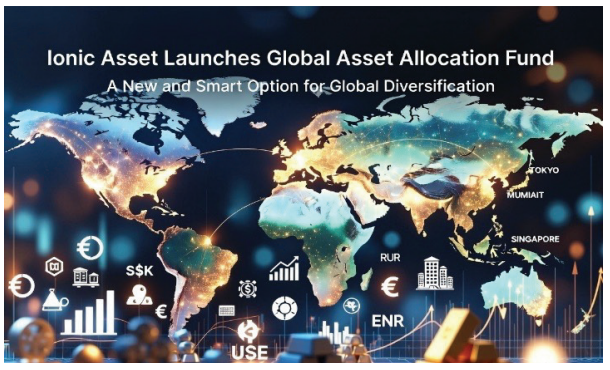

भारतीय फार्मा कंपनियां अमेरिका को कैंसर की महत्वपूर्ण दवा सप्लाई करने को तैयार

ऑन्कोलॉजी सेगमेंट में निर्यात बढ़ने से राजस्व और मार्जिन पर अच्छा असर

मुंबई:भारतीय फार्मास्यूटिकल कंपनियां अमेरिका में कैंसर (ऑन्कोलॉजी) की एक प्रमुख दवा की आपूर्ति बढ़ाने की तैयारी कर रही हैं। यह दवा दुनिया भर में कैंसर के इलाज में व्यापक रूप से इस्तेमाल होती है और अमेरिकी बाजार में इसकी मांग लगातार बढ़ रही है।

कई प्रमुख कंपनियां इस दवा के जेनेरिक वर्जन को यूएस फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (USFDA) से मंजूरी मिलने के बाद बड़े पैमाने पर उत्पादन शुरू करने वाली हैं। अमेरिका विश्व का सबसे बड़ा फार्मा बाजार है और कैंसर दवाओं की बढ़ती जरूरत के कारण भारतीय कंपनियों को अच्छा निर्यात अवसर मिल रहा है। इससे न केवल कंपनी के राजस्व में वृद्धि होगी बल्कि वैश्विक स्तर पर उनकी विश्वसनीयता भी बढ़ेगी।

भारतीय फार्मा उद्योग पहले से ही जेनेरिक दवाओं में मजबूत स्थिति रखता है। यह कदम अमेरिका में दवा की कमी को दूर करने और किफायती इलाज उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। कंपनियां उत्पादन क्षमता बढ़ाने, गुणवत्ता नियंत्रण और सप्लाई चेन मजबूत करने पर जोर दे रही हैं।

यह विकास भारतीय फार्मा सेक्टर के लिए सकारात्मक है। ऑन्कोलॉजी सेगमेंट उच्च मार्जिन वाला क्षेत्र है और अमेरिकी बाजार में मजबूत उपस्थिति कंपनियों की कमाई को बढ़ाएगी।

निवेशक सन फार्मा, जायडस लाइफसाइंसेज, डॉ. रेड्डीज लेबोरेटरीज और सिप्ला जैसी कंपनियों पर नजर रखें। हालांकि, USFDA की मंजूरी, मूल्य प्रतिस्पर्धा और पेटेंट संबंधी चुनौतियों पर सतर्कता बरतनी होगी।

लंबी अवधि के निवेशक फार्मा सेक्टर में निर्यात-केंद्रित कंपनियों को प्राथमिकता दे सकते हैं। भारतीय फार्मा कंपनियों की बढ़ती क्षमता अमेरिका जैसे विकसित बाजारों में गहरी पैठ बनाने में मदद कर रही है।

आर्किटेक्ट लैब्स ने जुटाए 24 मिलियन डॉलर: ब्रॉडकॉम-मार्वेल को कस्टम चिप में देगी टक्कर

सेमीकंडक्टर डिजाइन में भारतीय स्टार्टअप की उड़ान, AI और डेटा सेंटर बूम से नई संभावनाएं

मुंबई: भारतीय सेमीकंडक्टर स्टार्टअप आर्किटेक्ट लैब्स ने 24 मिलियन डॉलर (लगभग ₹200 करोड़) की फंडिंग जुटाई है। कंपनी का मुख्य लक्ष्य ब्रॉडकॉम और मार्वेल जैसी ग्लोबल दिग्गज कंपनियों को कस्टम चिप डिजाइन के क्षेत्र में चुनौती देना है।

यह फंडिंग कंपनी को अपनी रिसर्च एंड डेवलपमेंट क्षमता बढ़ाने, इंजीनियरिंग टीम को विस्तार देने और बड़े क्लाइंट्स के साथ काम करने में मदद करेगी। आर्किटेक्ट लैब्स आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, हाई-पर्फॉर्मेंस कंप्यूटिंग, डेटा सेंटर और ऑटोमोटिव सेक्टर के लिए एडवांस्ड कस्टम चिप्स डिजाइन करती है। बढ़ती AI मांग के कारण कस्टम ASIC (Application-Specific Integrated Circuit) चिप्स की जरूरत तेजी से बढ़ रही है।

कंपनी का दावा है कि वह कम लागत और तेज डिलीवरी के साथ ग्लोबल प्लेयर्स को टक्कर देगी। भारत सरकार के इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन और बढ़ते घरेलू डिमांड ने भी इस क्षेत्र में स्टार्टअप्स को प्रोत्साहन दिया है।

यह फंडिंग भारत के डीपटेक और सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम के लिए बेहद सकारात्मक है। कस्टम चिप डिजाइन में स्वदेशी क्षमता बढ़ने से आयात पर निर्भरता कम होगी और निर्यात की संभावनाएं बढ़ेंगी।

लंबी अवधि के निवेशक AI, सेमीकंडक्टर, डेटा सेंटर और हार्डवेयर टेक्नोलॉजी थीम पर फोकस कर सकते हैं। आर्किटेक्ट लैब्स जैसी कंपनियों की सफलता से इस सेक्टर में और पूंजी प्रवाह होने की उम्मीद है। निवेशक कंपनी के प्रोडक्ट पाइपलाइन, क्लाइंट विनिंग और सरकारी नीतियों पर नजर रखें।

क्रेड फाउंडर कुणाल शाह व्हाट्सएप के नए CEO नियुक्त !

भारतीय उद्यमी की ग्लोबल टेक जायंट पर नियुक्ति, फिनटेक और स्टार्टअप इकोसिस्टम को नई उड़ान

मुंबई: क्रेड के सह-संस्थापक और प्रमुख उद्यमी कुणाल शाह को व्हाट्सएप का नया CEO नियुक्त किए जाने की खबर ने पूरे सोशल मीडिया को हिला दिया है। इस नियुक्ति पर एक्स, लिंक्डइन और इंस्टाग्राम पर व्यापक चर्चा हो रही है। कई लोग इसे भारतीय स्टार्टअप इकोसिस्टम की बड़ी उपलब्धि मान रहे हैं, जबकि कुछ इसे व्हाट्सएप की भारत-केंद्रित रणनीति के रूप में देख रहे हैं।

कुणाल शाह ने क्रेड को एक सफल फिनटेक कंपनी बनाया है, जो क्रेडिट कार्ड बिल पेमेंट और पर्सनल फाइनेंस का प्रमुख प्लेटफॉर्म बन चुकी है। उनकी नियुक्ति मेटा के लिए भारत जैसे विशाल बाजार में गहरी पैठ बनाने की रणनीति का हिस्सा मानी जा रही है। शाह की फिनटेक समझ, प्रोडक्ट विजन और युवा यूजर्स को समझने की क्षमता को इस फैसले का प्रमुख कारण बताया जा रहा है।यह नियुक्ति भारतीय टेक उद्यमिता के लिए गर्व का विषय है। इससे युवा उद्यमियों और स्टार्टअप फाउंडर्स में नई प्रेरणा पैदा होगी। फिनटेक और डिजिटल पेमेंट्स सेक्टर के निवेशकों के लिए यह सकारात्मक संकेत है।

कुणाल शाह की व्हाट्सएप में भूमिका से भारत-केंद्रित फीचर्स, पेमेंट्स इंटीग्रेशन और नई सर्विसेज आने की उम्मीद बढ़ गई है। लंबी अवधि के निवेशक फिनटेक, कंज्यूमर टेक और डिजिटल इकोनॉमी से जुड़ी कंपनियों पर नजर रख सकते हैं। यह घटना दर्शाती है कि भारतीय प्रतिभा अब ग्लोबल टेक कंपनियों के शीर्ष पदों पर पहुंच रही है।

Mitigata Raises $15 Million Led by Bessemer Venture Partners

Cybersecurity Startup Secures Fresh Capital to Combat Rising Digital Threats

Bengaluru: Indian cybersecurity firm Mitigata has raised $15 million in a funding round led by Bessemer Venture Partners. The investment will help the company scale its operations, enhance its product suite, and strengthen its presence in both domestic and international markets.

Mitigata offers advanced cybersecurity solutions focused on threat detection, vulnerability management, and proactive risk mitigation for enterprises. With the rapid increase in cyberattacks, ransomware incidents, and data breaches across industries, demand for sophisticated security tools has grown significantly. The company aims to use the new capital to invest in artificial intelligence-driven security features and expand its engineering and sales teams.

Bessemer Venture Partners' participation underscores growing global investor confidence in India's cybersecurity ecosystem. The funding comes at a time when Indian enterprises and government organisations are prioritising robust digital defence mechanisms amid ncreasing regulatory scrutiny and sophisticated cyber threats.

The raise highlights the strong momentum in India's cybersecurity isector. As digital transformation accelerates across banking, healthcare, and critical infrastructure, demand for advanced security solutions is expected to remain high. Investors tracking the tech and cybersecurity space can view this development as a positive signal for well-positioned startups in the domain.

WEEKLY STOCK PIVOT LEVEL

Anil Bhardwaj
Technical Head
anil.stockcare@gmail.com

AII level indicated above are based on future prices PP: Pivot Point: This is TRIGGER POINT for buy/sell Based on the price range of the previous Month, R1: Resistance one: 1st Resistance over PP; R2: resistance Two: 2nd Resistance over R1; S1: Support one: 1st support after PP; S2: Support Two: 2nd support after S1

• As per tool, trader should take Buy position just above pp and keep the stop loss of PP and 1st target would be R1
• If R1 is crossed then R2 becomes the next target with the stop loss at R1
• If R2 is crossed then R3 becomes the next target with the stop loss at R2.
• Similarly, if price goes below PP the trader should SELL price below PP as stop loss and the first target would be S1,
• If S1 is crossed then S2 becomes the next target with the stop loss at S1,
• If S2 is crossed then S3 becomes the next target with the stop loss at S2.

Stock Name	closing	R3	R2	R1	PP	S1	S2	S3
NIFTY	24056	24757	24509	24282	24034	23807	23559	23332
BANK NIFTY	58177	60522	59614	58895	57987	57268	56360	55641
SENSEX	77100	78834	78080	77590	76836	76346	75592	75102
FINNIFTY	26771	27882	27464	27118	26700	26354	25936	25590
MIDCAP	14435	14906	14804	14620	14518	14334	14232	14048
ACC	1336	1402	1385	1360	1343	1318	1301	1276
AXISBANK	1377	1445	1422	1400	1377	1355	1332	1310
ABCAPITAL	391	426	412	402	388	378	364	354
BHARTIARTL	1850	1983	1955	1903	1875	1823	1795	1743
BHEL	402	439	430	416	407	393	384	370
BIOCON	416	447	439	428	420	409	401	390
BEL	409	456	446	427	417	398	388	369
CDSL	1316	1451	1423	1370	1342	1289	1261	1208
DATAPATTERN	4504	5244	5091	4797	4644	4350	4197	3903
ESCORTS	2947	3235	3128	3038	2931	2841	2734	2644
EICHERMOTOR	7602	8001	7875	7739	7613	7477	7351	7215
FEDERAL BANK	323	336	332	327	323	318	314	309
GRINFRAPOJECT	942	1072	1026	984	938	896	850	808
HDFCBANK	796	840	822	809	791	778	760	747
HCLTECH	1101	1192	1170	1136	1114	1080	1058	1024
HINDUNILVR	2177	2278	2243	2210	2175	2142	2107	2074
HAL	4364	4722	4629	4496	4403	4270	4177	4044
HYUNDAI	1966	2088	2047	2007	1966	1926	1885	1845
IOC	144	152	150	147	145	142	140	137
ICICIBANK	1388	1489	1447	1417	1375	1345	1303	1273
INFY	1041	1126	1103	1072	1049	1018	995	964
ITC	290	298	296	293	291	288	286	283
KOTAKBNK	409	432	423	416	407	400	391	384
LICHOUSING	550	578	567	559	548	540	529	521
LT	4216	4376	4324	4270	4218	4164	4112	4058
LUPIN	2344	2440	2417	2381	2358	2322	2299	2263
MARUTI	13745	14757	14337	14041	13621	13325	12905	12609
M&M	3182	3435	3321	3252	3138	3069	2955	2886
MGL	1175	1307	1280	1227	1200	1147	1120	1067
MAZGAONDOC	2473	2646	2608	2540	2502	2434	2396	2328
PFC	433	457	451	442	436	427	421	412
RECLTD	365	388	380	372	364	356	348	340
RELIANCE	1318	1390	1367	1343	1320	1296	1273	1249
SBIN	1045	1095	1075	1060	1040	1025	1005	990
SUNPHARMA	1863	1967	1934	1899	1866	1831	1798	1763
SHRIRAMFINANCE	1032	1135	1093	1063	1021	991	949	919
TITAN	4291	4589	4503	4397	4311	4205	4119	4013
TCS	2095	2252	2204	2150	2102	2048	2000	1946
TATAMOTORS	353	390	380	367	357	344	334	321
UPL	591	636	626	608	598	580	570	552
VALIENT	285	324	313	299	288	274	263	249
WIPRO	175	192	187	181	176	170	165	159

Madhya Pradesh Gears Up for International MSME Day 2026 in Bhopal

Bhopal: Madhya Pradesh is all set to host a grand celebration of International MSME Day 2026 in Bhopal. The state government is organising a high-profile event that will bring together entrepreneurs, startups, investors, industry leaders, and policymakers to deliberate on the growth and challenges of the micro, small and medium enterprises sector.

The day will feature interactive sessions, startup exhibitions, investor matchmaking programs, skill development workshops, and felicitation of successful MSME units. The government aims to showcase its initiatives such as single-window clearance, easy credit access, technology upgradation schemes, and marketing support for small businesses.

The event is expected to highlight success stories from the state and attract fresh investments into manufacturing, agri-processing, handicrafts, services, and technology-enabled enterprises.

International MSME Day 2026 offers a strong platform for investors seeking opportunities in India's heartland. With improving connectivity, availability of skilled manpower, and supportive policies, Madhya Pradesh is emerging as an attractive destination for small and medium enterprises. Investors can explore sectors like food processing, light engineering, renewable energy components, and digital services. The event is likely to generate new business leads and policy announcements that could benefit long-term investors in the MSME and startup ecosystem.

Disclaimer: This content is for educational purposes only. Investments are subject to market risks. Please conduct your own research or consult a qualified financial advisor before making any investment decisions.Investments are subject to market risks. Please conduct your own research or consult a qualified financial advisor before making any investment decisions.

प्रकाशक एवं मुद्रक: प्रदीप कारबेलकर, सी-101, नेहरू नगर स्वत्वाधिकार द इन्वेस्टमेंट एवेन्यूज प्रा.लि., इ-4, अरेरा कॉलोनी, भोपाल, मध्य प्रदेश 462016, से प्रकाशित एवं DigitalLok, सागर हाई स्ट्रीट, अयोध्या बायपास रोड, डी मार्ट के पास, भोपाल, (म.प्र.) - 462010। संपादक: प्रदीप कारबेलकर (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल होगा)। फोन: +9198262 23075 वेबसाइट: www.investmentavenues.in